हैलो, मैं अनु .जाति आयोग का अध्यक्ष बोल रहा हूँ.....

छात्रावास के निरीक्षण के दौरान डॉ जाटव ने की अभिभावक से फोन पर बात

नवभारत न्यूज

श्योपुर,18 जुलाई। मध्यप्रदेश राज्य अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष डॉ. कैलाश जाटव ने अपने श्योपुर प्रवास के दौरान आज कन्या महाविद्यालयीन स्तरीय छात्रावास पुलिस लाइन रोड श्योपुर का आकस्मिक निरीक्षण किया। आदिम जाति कल्याण विभाग अंतर्गत संचालित उक्त छात्रावास के निरीक्षण के दौरान उन्होंने छात्रावासी महाविद्यालयीन छात्रा कु. रसना बैरवा के पिता महावीर बैरवा निवासी अलापुरा को मोबाइल पर फोन लगाकर बातचीत की, इस दौरान उन्होंने कहा कि बालिका को छात्रावास में किसी तरह की परेशानी तो नही है, और इसकी पढाई कैसी चल रही है, इसके साथ ही उन्होंने यह भी पूछा कि बालिका से मिलने के लिए कब-कब आते है, इस पर बालिका के पिता ने बताया कि छात्रावास में रहने के दौरान किसी प्रकार की समस्या नही है और शासन की योजना का लाभ मिल रहा है। वे समय-समय पर अपनी पुत्री से मिलने के लिए आते रहते है। इसके साथ ही आयोग के अध्यक्ष डॉ कैलाश जाटव ने छात्रावास में अभिभावक से भेंट का रिकार्ड रखने वाले रजिस्टर का अवलोकन भी किया। उन्होंने सुबह के समय बालिकाओं को प्रदाय किये गये नाश्ते को चखकर उसकी गुणवत्ता भी परखी। निरीक्षण के दौरान सहायक आयुक्त आदिम जाति कल्याण राकेश गुप्ता, डीपीसी भूपेन्द्र शर्मा, भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के जिला अध्यक्ष राजेन्द्र अकोदिया, पूर्व अध्यक्ष पूरण आर्य, छात्रावास अधीक्षिका श्रीमती प्रीति सक्सैना आदि उपस्थित थे।

एससी आयोग के अध्यक्ष डॉ कैलाश जाटव द्वारा छात्रावास के निरीक्षण के दौरान बालिकाओं से उनके भोजन, आवास तथा पढाई के संबंध में आत्मीय चर्चा की गई तथा छात्रावास में पेयजल और अन्य बुनियादी सुविधाओं का जायजा लिया गया।

मध्यप्रदेश राज्य अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष डॉ. कैलाश जाटव द्वारा इसके अलावा शासकीय श्री हजारेश्वर हायर सैकेण्डरी विद्यालय श्योपुर तथा बायपास रोड स्थित शासकीय उत्कृष्ट कन्या छात्रावास का निरीक्षण भी किया।

शिक्षकों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित

श्योपुर। श्योपुर जिले में चयनित 18 पूर्व प्राथमिक शालाओं के शिक्षकों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण डाइट श्योपुर में गत 16 जुलाई से 18 जुलाई तक आयोजित किया गया। डाइट प्राचार्य राघवेन्द्र सिंह सिकरवार के मार्गदर्शन में आयोजित इस प्रशिक्षण में डाइट के ईसीसी प्रभारी प्रदीप मुदगल एवं मास्टर ट्रेनर रामवतार शर्मा द्वारा पांच आयाम के तहत विभिन्न प्रकार की गतिविधियों के माध्यम से प्रशिक्षण दिया गया दिया गया इन गतिविधियों के माध्यम से पूर्व प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ रहे बच्चों को विशेष लाभ होगा और उनकी उम्र के हिसाब से उन गतिविधियों को करके बच्चे सीख सकेंगे।

नियमों को ताक पर रख वैन में ठूंसे 25 से ज्यादा मासूम

सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद भी प्रशासन मौन

नवभारत न्यूज

श्योपुर,18 जुलाई। जिले के विजयपुर से बच्चों की सुरक्षा से खिलवाड़ का एक बेहद गंभीर और हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहाँ एक निजी स्कूल संचालक द्वारा मासूम बच्चों की जान जोखिम में डालकर परिवहन नियमों की सरेआम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं।

वैन बनी मालगाड़ी, क्षमता से चार गुना ज्यादा बच्चे भरे:

जानकारी के अनुसार, मामला विजयपुर के प्राइवेट स्कूल का बताया जा रहा है। स्कूल की एक वैन में क्षमता से कई गुना अधिक, यानी 25 से भी ज्यादा बच्चों को भेड़-बकरियों की तरह अंदर ठूंस-ठूंस कर बैठाया गया था। इस लापरवाही का एक वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसे देखकर हर कोई दंग है। वीडियो में साफदेखा जा सकता है कि कैसे चंद रुपयों के लालच और स्कूल प्रबंधन की मनमानी के कारण मासूमों की जिंदगी को दांव पर लगाया जा रहा है।

हादसे को न्यौता, फिर भी शिक्षा विभाग और प्रशासन के कान पर जूं नहीं रेंगी

हैरानी और आक्रोश की बात यह है कि परिवहन नियमों और सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइंस (स्कूली वाहनों के लिए तय सुरक्षा मानक) की इस कदर खुलेआम अनदेखी होने के बावजूद स्थानीय प्रशासन और शिक्षा विभाग पूरी तरह मौन साधे बैठा है।

अभिभावकों और स्थानीय लोगों में इस बात को लेकर भारी गुस्सा है कि आखिर विभाग किसी बड़े हादसे का इंतजार क्यों कर रहा है? वायरल वीडियो के सामने आने के बाद भी अब तक संबंधित स्कूल और वैन चालक के खिलाफकोई सख्त कदम नहीं उठाया गया है। स्थानीय नागरिकों ने मांग की है कि इस मामले में तत्काल संज्ञान लेकर ळटछ प्राइवेट स्कूल के संचालक और वैन मालिक के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में मासूम बच्चों की सुरक्षा के साथ ऐसा खिलवाड़ दोबारा न हो।

पानी की टंकी पर चढ़ा शराबी, पुलिस ने उतारा

नवभारत न्यूज

विजयपुर, 18 जुलाई। नगर में बस स्टैंड पर पानी की टंक्की पर सुबह 9 बजे शराब के नशे मे चढ़ गया। जिसकी सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची ,उस समय सैकड़ों की संख्या मे जनता की भीड़ लगी रहती पुलिस, ने काफी समझाया पर धीरज पुत्र तेजसीग खटीक निबासी बार्ड क्रमांक 5 गोहटा रोड़ निबासी विजयपुर ने पुलिस की समझाइश को नहीं माना मामला इस प्रकार का है कि धीरज शराब पीने का आदी है इसलिये रोज दारू पीकर अपनी पत्नी शिबानी की मार पीट करता था , शिबानी अपने पत्नी की प्रताड़ना से तंग आ गई थी तब उसने अपनी मां को आगरा उत्तर प्रदेश फोन लगा कर अपनी आपबीती बताई तब शिबानी की मां बिजयपुर आई और अपने दामाद को समझाया पर धीरज ने इसके उल्ट अपनी सास को भी उल्टी गालीयां दी ब मार-पीट कर दी तब धीरज की सांस ने थाना पुलिस विजयपुर मैं आबेदन देकर अपनी बेटी शिबानी को आगरा ले गई इससे कुपित होकर धीरज पुत्र तेजसीग खटीक ने पहिले शराब के ठेके पर दारू पी फिर स्टेण्ड पर बनी पानी की टंक्की पर चढ़ कर शोले फिल्म की तरह नाटक कर था रहा बाद मैं करीब दो घंटे बाद कुछ पत्रकारों के समझाने पर ऊक्त युवक पानी की टंकी से नीचे उतरा। थाना प्रभारी राजन सिंह गुर्जर का कहना है कि उक्त ब्यक्ती शराब पीकर अपनी पत्नी को रोज मारता पीटता था इस ब्यक्ती की शिकायत थाने मैं पूर्ब मैं भी आ चुकी है पर समझा बुझा कर भगा देते थे पर इस बार धीरज की सासने थाने मैं अबेदन दे कर अपनी लड़की शिबानी को आगरा ले गई है।

अस्पताल के सामने हाईवे पर बने जानलेवा गड्ढे

नवभारत न्यूज

श्योपुर,18 जुलाई। अस्पताल, जहां लोग जिंदगी बचाने आते हैं, उसी के ठीक सामने मौत का सफर रेंग रहा है। कराहल मुख्य अस्पताल के सामने से गुजरने वाले हाईवे की हालत इन दिनों बद से बदतर हो चुकी है। सड़क पर आए दिन बड़े और जानलेवा गड्ढे उभर आए हैं, जो राहगीरों और वाहन चालकों के लिए हर पल किसी बड़े हादसे का सबब बने हुए हैं। लेकिन इस गंभीर स्थिति के बाद भी जिम्मेदार विभाग और अधिकारी पूरी तरह मौन साधे बैठे हैं। स्थानीय निवासियों और दुकानदारों का कहना है कि सड़क की इस बदहाली को लेकर कई बार शिकायतें की जा चुकी हैं, लेकिन लोक निर्माण विभाग या नेशनल हाईवे के जिम्मेदार अधिकारियों के कान पर जूं तक नहीं रेंग रही है। गड्ढों को भरने के नाम पर अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है।

हर गुजरते वाहन पर मंडराता है खतरा

इस व्यस्त हाईवे से रोजाना सैकड़ों छोटी-बड़ी गाड़ियां और एम्बुलेंस गुजरती हैं। अस्पताल के ठीक सामने बने इन गहरे गड्ढों के कारण चौपहिया वाहनों के पलटने का डर तो रहता ही है, साथ ही सबसे ज्यादा खतरा बाइक सवारों और पैदल चलने वाले राहगीरों पर मंडरा रहा है। रात के अंधेरे में ये गड्ढे दिखाई नहीं देते, जिससे आए दिन बाइक सवार अनियंत्रित होकर गिर रहे हैं और चोटिल हो रहे हैं।

बारिश के इस मौसम में स्थिति और भी नारकीय हो चुकी है। इन जानलेवा गड्ढों में सड़क और नालियों का गंदा पानी लबालब भरा हुआ है। जब भी कोई तेज रफ्तार भारी वाहन यहां से गुजरता है, तो गड्ढों में जमा यह कीचड़ और गंदा पानी सीधे वहां से गुजरने वाले राहगीरों, मरीजों और उनके तीमारदारों पर उछलता है। अस्पताल आने वाले मरीजों को इलाज मिलने से पहले ही इस प्रशासनिक लापरवाही और गंदगी का शिकार होना पड़ रहा है।

उल्लास अभियान के अंतर्गत पौधरोपण कार्यकम आयोजित

नवभारत न्यूज

श्योपुर,18 जुलाई। श्योपुर बी.एल. प्रजापति की उपस्थित में ग्राम दुर्गापुरी में उल्लास अभियान के अंतर्गत पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उक्त वृक्षारोपण कार्यक्रम अंतर्गत आम, अमरूद, शीशम, जामून इत्यादि छायादार फलदार पौधे रोपित किये गये एवं उनके संरक्षण हेतु ग्रामीणजन को संकल्प दिलवाया गया। इस अवसर पर श्री बी एल प्रजापति, माननीय प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, श्री सुशील कुमार, विशेष न्यायाधीश, सुश्री प्रतिष्ठा अवस्थी, तृतीय जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश, सुश्री संध्या मरावी, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, श्योपुर व अन्य न्यायाधीशगण एवं जिला विधिक सहायता अधिकारी व ग्रामीणजन उपस्थित रहें।

प्रसव पश्चात् फॉलोअप के दौरान रक्त की आवश्यकता पर किया रक्तदान

नवभारत न्यूज

श्योपुर, 18 जुलाई। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों द्वारा प्रसव पश्चात् फॉलोअप के दौरान महिला को रक्त की आवश्यकता होने पर न केवल स्वयं रक्तदान किया गया, बल्कि अन्य रक्तदाता से भी रक्तदान कराकर मानवता की मिसाल प्रस्तुत की है।

प्रसूता श्रीमती मीरा पत्नी नरेंद्र आदिवासी निवासी सुबकरा विकासखंड कराहल का प्रसव के उपरांत सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी अमित मालव द्वारा प्रसव पश्चात फॉलोअप किया गया जिसमें उसने पाया कि प्रसूता महिला का हीमोग्लोबिन का स्तर केवल 5.7 ग्राम ही था। इस हेतु सीएचओ ने प्रसूता को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। महिला को ब्लड चढ़ाने हेतु ओ प्लस पॉजिटिव ब्लड की आवश्यकता थी, लेकिन उस समय उक्त ब्लड उपलब्ध नहीं था। सीएचओ द्वारा इस हेतु जिला कम्युनिटी मोबिलाइजर (डीसीएम) से चर्चा की। डीसीएम द्वारा इस प्रकरण में तुरंत संज्ञान लेते हुए स्वयं का ब्लड ग्रुप ओ प्लस पॉजिटिव होने के चलते जिला अस्पताल आकर रक्तदान किया। साथ ही एक अन्य रक्तदान दाता विक्रम सिंह गुणावत द्वारा भी महिला के लिए रक्तदान किया गया। इस तरह से सामुदायिक अधिकारी अमित मालव सुबकरा एवं सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी नरेश जाटव पटोंदा के फॉलोअप, सजगता एवं प्रयासों के फलस्वरूप प्रसूता महिला के खतरे का तुरंत प्रभावी प्रबंधन किया गया।

आदिवासी आश्रम में शिक्षकों का संकट,अटैचमेंट में फंसा बच्चों का भविष्य

नवभारत न्यूज

कराहल, 18 जुलाई। आदिवासी अंचल के बच्चों को उच्च स्तरीय और आधुनिक शिक्षा देने के सरकार के दावों की कराहल में हवा निकलती दिखाई दे रही है। कराहल ब्लॉक का एकमात्र इंग्लिश मीडियम आदिवासी आश्रम इन दिनों गंभीर शिक्षक संकट से जूझ रहा है। आलम यह है कि करोड़ों की योजना और बड़े दावों के बीच, नौनिहालों का भविष्य केवल एक शिक्षक और अधीक्षक के भरोसे छोड़ दिया गया है।

आश्रम में पढ़ने वाले बच्चे हर रोज सुबह उम्मीद के साथ स्कूल तो पहुंच रहे हैं, लेकिन उन्हें पढ़ाने के लिए कक्षा में शिक्षक ही मौजूद नहीं हैं। जानकारी के अनुसार, आश्रम में कई शिक्षकों की पदस्थापना (च्वेजपदह) तो है, लेकिन वे अपनी मूल जगह पर सेवाएं देने के बजाय श्अटैचमेंटश् (संलग्नती) का मलाईदार खेल खेल रहे हैं। रसूख और सांठगांठ के चलते शिक्षक अन्य सुगम स्थानों पर अटैच हैं, जिसके कारण इस एकमात्र इंग्लिश मीडियम आदिवासी स्कूल की पूरी व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है। सरकार एक तरफ आदिवासी बच्चों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए अंग्रेजी माध्यम के स्कूल और आश्रम खोल रही है, वहीं दूसरी तरफमैदानी स्तर पर प्रशासनिक लापरवाही इन योजनाओं को पलीता लगा रही है। जब पूरा आश्रम महज एक शिक्षक और अधीक्षक के सहारे संचालित हो रहा है।

कृषी चिंतित अभिभावक एवं स्थानीय ग्रामीण,आखिर इन हालातों का जिम्मेदार कौन? इस पूरे मामले ने शिक्षा विभाग और जनजातीय कार्य विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं, क्या जिम्मेदार अधिकारियों को इस बात की भनक नहीं है कि एकमात्र इंग्लिश मीडियम आश्रम खाली पड़ा है? नियमों को ताक पर रखकर आदिवासी क्षेत्र के स्कूल से शिक्षकों का अटैचमेंट क्यों और किसके संरक्षण में किया गया? क्या इन गरीब आदिवासी बच्चों की पढ़ाई और भविष्य की जिम्मेदारी लेने वाला कोई नहीं है? स्थानीय जनता और समाजसेवियों ने जिला प्रशासन और वरिष्ठ अधिकारियों से मांग की है कि इस इंग्लिश मीडियम आश्रम से अटैचमेंट पर गए सभी शिक्षकों को तुरंत प्रभाव से वापस मूल पदस्थापना पर भेजा जाए, ताकि बच्चों की पढ़ाई सुचारू रूप से शुरू हो सके।

पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में संगोष्ठी आयोजित

नवभारत न्यूज

श्योपुर, 18 जुलाई। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफएक्सीलेंस में नशे से दूरी है जरूरी 2.0 जन-जागरूकता अभियान के अंतर्गत एक दिवसीय विशेष संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत में मुख्य वक्ता और महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओ.पी. शर्मा ने अपने महत्वपूर्ण उद्बोधन में विद्यार्थियों को नशे के गंभीर दुष्परिणामों से अवगत कराया। उन्होंने वैज्ञानिक और व्यवहारिक दृष्टिकोण साझा करते हुए बताया कि युवाओं में नशे की लत कैसे पड़ती है और दृढ़ इच्छाशक्ति, योग, प्राणायाम, व्यायाम व सही मार्गदर्शन से इससे कैसे मुक्ति पाई जा सकती है। इसके बाद महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य प्रो. विपिन बिहारी शर्मा ने विभिन्न प्रेरक प्रसंगों और वास्तविक उदाहरणों के माध्यम से नशे के सामाजिक दुष्प्रभावों पर प्रकाश डाला।

जनप्रतिनिधियों के साथ संवाद कार्यक्रम आयोजित

नवभारत न्यूज

श्योपुर, 18 जुलाई। मध्यप्रदेश राज्य अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष डॉ. कैलाश जाटव ने होटल राधिका विलास में जनप्रतिनिधियों के साथ आयोजित संवाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि नगरीय एवं पंचायत क्षेत्र के जनप्रतिनिधि अपने-अपने क्षेत्र में लोगों को विकास योजनाओं का लाभ दिलाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभायें। आमजन को मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता में वृद्धि के लिए निरंतर प्रयास करें। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती गुड्डी बाई आदिवासी, सहरिया विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष सीताराम आदिवासी, भाजपा जिला अध्यक्ष शशांक भूषण, जिला पंचायत सदस्य गिरधारी बैरवा, भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा जिला अध्यक्ष मोहर सिंह आदिवासी, भाजपा मंडल अध्यक्ष कराहल हरनाथ देवरिया, भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के जिला अध्यक्ष राजेन्द्र अकोदिया, पूर्व अध्यक्ष पूरण आर्य सहित जनपद सदस्य, पार्षदगण, सरपंच आदि जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

एससी आयोग के अध्यक्ष डॉ कैलाश जाटव ने कहा कि आयोग स्तर पर समस्याओं को त्वरित रूप से सुनने के लिए विभाग द्वारा साफ्टवेयर तैयार कराया जा रहा है, जिस पर फोटो और वीडियो भी अपलोड हो सकेंगे। इस सॉफ्टवेयर के माध्यम से अनुसूचित जाति क्षेत्रो में विकास से संबंधित समस्याओं की जानकारी प्रदाय की जा सकेगी, जिस पर तुरंत संज्ञान लेकर समाधान की कार्यवाही की जायेगी तथा सॉफ्टवेयर के माध्यम से समस्याओं के सुनने एवं उनके निराकरण में तेजी आयेगी।

सहरिया विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष सीताराम आदिवासी ने कहा कि शासन द्वारा हर वर्ग के लिए कल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही है, जिसका लाभ प्रदान करने के लिए सभी जनप्रतिनिधि अपने स्तर पर कार्य करें। जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती गुड्डी बाई आदिवासी ने कहा कि सरकार ने सभी वर्गो को उचित प्रतिनिधित्व प्रदान किया है, मध्यप्रदेश सरकार की इस समावेशी और समरसता की नीति के चलते आज अनुसूचित जाति और जनजाति वर्ग के लोग महत्वपूर्ण पदो पर अपना दायित्व निभा रहे है।

नई विद्युत लाइन पर भ्रष्टाचार के आरोप, निर्माण के बाद भी अंधेरे में ग्रामीण

नवभारत न्यूज

श्योपुर, 18 जुलाई। जिले के अंतर्गत आने वाली कराहल तहसील से विकास कार्यों में लापरवाही और भ्रष्टाचार का एक बड़ा मामला सामने आया है। मदनपुर पंचायत के अंतर्गत आने वाले पहाड़ी गांव में नई विद्युत लाइन बिछाने के नाम पर भारी अनियमितताओं के आरोप लगे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि सरकारी बजट ठिकाने लगाने के लिए घटिया निर्माण तो कर दिया गया, लेकिन लाइन को आज तक चालू नहीं किया गया है। पहाड़ी गांव के ग्रामीणों ने रोष व्यक्त करते हुए बताया कि सरकार द्वारा गांव को रोशन करने के लिए नई विद्युत लाइन की सौगात दी गई थी। ठेकेदार और संबंधित विभाग द्वारा नई लाइन बिछाने का काम पूरा भी दिखा दिया गया है, लेकिन धरातल पर हकीकत कुछ और ही है। विद्युत लाइन लगाए जाने के महीनों बाद भी इसे चालू नहीं किया गया है, जिसके कारण आज भी पूरा गांव अंधेरे में रहने को मजबूर है। ग्रामीणों का कहना है कि इस पूरे प्रोजेक्ट में मानकों को ताक पर रखकर काम किया गया है। निर्माण कार्य की गुणवत्ता इतनी खराब है कि कई जगहों पर बिजली के पोल (खंभे) टेढ़े खड़े हैं और अन्य तकनीकी कार्यों में भी भारी कमियां साफ दिखाई दे रही हैं।

3 दिन से बिजली गुल, सूखने की कगार पर धान की फसल

कराहल, 18 जुलाई। क्षेत्र के अन्नदाता इन दिनों बिजली विभाग की घोर लापरवाही और उदासीनता के कारण आंसू बहाने को मजबूर हैं। क्षेत्र के सभी बिजली सब-स्टेशनों से पिछले 3 दिनों से विद्युत आपूर्ति पूरी तरह ठप पड़ी है। बिजली गुल होने के कारण खेतों में लगे नलकूप (ट्यूबवेल) और मोटरें शोपीस बनकर रह गई हैं, जिससे क्षेत्र की मुख्य धान की फसल पर गंभीर संकट मंडरा रहा है। सिंचाई न होने के कारण धान की फसल खेतों में ही सूखने की कगार पर पहुंच चुकी है। कराहल ब्लॉक में किसानों ने बड़े पैमाने पर धान की बुवाई की है। धान की फसल को लगातार पानी की आवश्यकता होती है। पिछले 3 दिनों से एक बूंद पानी न मिलने के कारण खेतों में दरारें पड़ने लगी हैं और हरी-भरी फसलें पीली पड़ने लगी हैं।

गुरू पूर्णिमा पखवाड़ा अंतर्गत निंबध प्रतियोगिता आयोजित

श्योपुर। भारतीय संस्कृति में गुरु-शिष्य परंपरा के महत्व को जन-जन तक पहुँचाने तथा विद्यार्थियों में संस्कार, अनुशासन और नैतिक मूल्यों का विकास करने के उद्देश्य से सांदीपनि विद्यालय श्योपुर में 15 जुलाई से 29 जुलाई तक गुरु पूर्णिमा पखवाड़ा का आयोजन किया जा रहा है। इस दौरान विद्यालय में विभिन्न शैक्षिक, सांस्कृतिक एवं व्यक्तित्व विकास से जुड़ी गतिविधियाँ आयोजित की जा रही है। आज गुरु पूर्णिमा पखवाड़ा के चतुर्थ दिवस पर शासकीय संदीपनी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, श्योपुर में मेरे जीवन मै गुरु विषय पर निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन श्रीमती ममता इंदौलिया, नरेंद्र सोनी एवं शुभम शर्मा के नेतृत्व में संपन्न हुई।

जिसमें विद्यार्थियों ने पूर्ण उत्साह से भाग लिया प्रतियोगिता दो वर्गों कनिष्ठ वर्ग (कक्षा 6-8) एवं वरिष्ठ वर्ग(कक्षा9-12) में आयोजित हुई, जिसका परिणाम सोमवार को घोषित किया जाएगा। इस अवसर पर गुरु के अपने जीवन पर पड़ने वाले प्रभावों को विद्यार्थियों ने अपने रोचक तरीके से अपने शब्दों में लिखने का प्रयास किया गया। ऐसे आयोजन से विद्यार्थियों में अपने मन के भावों को लेखन में बदलने की भावना का विकास होता है । प्रतियोगिता के अंत में विद्यालय के प्राचार्य अशोक खंडेलवाल ने अपने जीवन पर गुरुओं के उपकार एवं गुरुओं का सम्मान करने हेतु विद्यार्थियों को प्रेरक प्रसंग सुनाए ।

विद्यालयों ओर कोचिंग संस्थानों पर चलाया नशा मुक्ति अभियान

साइबर सुरक्षा जागरूकता को भी समझाया

नवभारत न्यूज

सबलगढ़ 18 जुलाई। पुलिस मुख्यालय एवं पुलिस महानिदेशक के निर्देश पर सबलगढ़ थाना प्रभारी पंकज मुद्गल द्वारा नशा मुक्ति ओर साइबर सुरक्षा जागरूकता के लिए शासकीय सांदीपनि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय ओर नगर की कोचिंग संस्थानों पर छात्र छात्राओं के लिए एक कार्यक्रम का आयोजन किया इसके अलावा नगर की कोचिंग संस्थानों पर भी जाकर छात्र छात्राओं को जागरूक कर नशे के खिलाफ संदेश दिया । थाना प्रभारी पंकज मुद्गल ने छात्र छात्राओं को नशे से होने वाले दुष्परिणाम को समझाया ओर छात्र छात्राओं को समझाइश दी कि किसी भी तरह के नशे का सेवन नहीं करे क्योंकि इसके बहुत से दुष्परिणाम है वही साइबर सुरक्षा जागरूकता के बारे में भी जानकारी दी थाना प्रभारी पंकज मुद्गल ने छात्र छात्राओं से कहा कि आजकल साइबर फ्रॉड बहुत हो रहे हैं किसी अनजान मोबाइल नंबर से लिंक शेयर नहीं करे ना किसी को ओ टी पी दे ऑन लाइन ठगी फर्जी कॉल से सावधान रहे एवं सोशल मीडिया का भी सुरक्षित इस्तेमाल करें विद्यालय के प्राचार्य ब्रह्मानंद शर्मा एवं धर्मेंद्र सिंह जादौन भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे इसके बाद नगर की कोचिंग संस्थानों पर भी जाकर सभी छात्र छात्राओं को नशे से मुक्ति एवं नशा नहीं करने की शपथ दिलाई प्राचार्य ब्रह्मानंद शर्मा ने पुलिस द्वारा चलाये जा रहे अभियान की प्रशंसा की ओर कहा कि यह एक अच्छी पहल है छात्र छात्राओं के उज्जवल भविष्य ओर सुरक्षित समाज के निर्माण में सहायक होते हैं।